नेत्रोपनिषद स्तोत्र

इसका प्रतिदिन पाठ करने से नेत्र ज्योति ठीक रहती है तथा खोई हुई ज्योति पुनः प्राप्त होती है !

नेत्रोपनिषद स्तोत्र :
ॐ नमो। भगवते सूर्याय अक्षय तेजसे नमः।

ॐ खेचराय नमः।
ॐ महते नमः।
ॐ रजसे नमः।

ॐ असतोमासद्गामय। तमसोमा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतंगामाया।
उष्णो भगवानम शुचिरुपः। हंसो भगवान हंसरुपः।

इमाम चक्शुश्मती विध्याम ब्राम्हणोंनित्यमधिते।
न तस्याक्षिरोगो भवति न तस्य कुलेंधो भवति।

अष्टो ब्राम्हानान प्राहाइत्व विध्यासिद्धिर्भाविश्यती।
ॐ विश्वरूपा घ्रिनानतम जातवेदा सन्हीरान्यमयाम ज्योतिरूपमायाम।

सहस्त्रराशिम्भिः शतधा वर्तमानः पुनः प्रजाना।
मुदयातेश्य सूर्यः।

ॐ नमो भगवते आदित्याय अहोवाहन वाहनाय स्वाहा।
हरिओम तत्सत ब्राम्हानें नमः।

ॐ नमःशिवाय।

ॐ सूर्यायअर्पणमस्तु।